

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ घुक्के.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ  
अमांक

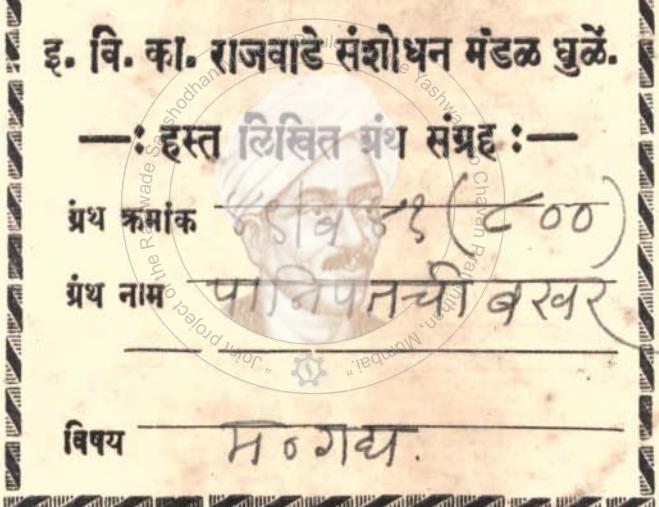
ग्रंथ  
नाम

विषय

रुपांतर ४१ (००)

पात्रिपत्तनी व रवर

मोगद्य.







३२ द्विष्टुक्तिकाल

(३)

देवर्थल्लहास्यधिक्षेष्यमार्गीर्वा

स्त्राजन्त्रजन्त्रधर्मेष्यमार्गीर्वा

वेन्मुखमार्गीर्वा

रथात्मिकासाप्त्रेष्यमार्गीर्वा

मनुष्यमार्गीर्वा

त्रिवर्त्तमार्गीर्वा

प्रातिश्च दीर्घमार्गीर्वा

ज्ञानवर्तमार्गीर्वा

येन्मुख्यमार्गीर्वा

पादेन्मुख्यमार्गीर्वा

त्रिमुख्यमार्गीर्वा

स्वाध्यामार्गीर्वा

उल्लङ्घण्यमार्गीर्वा

गोष्ठ्यमार्गीर्वा

कर्त्तव्यमार्गीर्वा

तप्तमार्गीर्वा

गृहिण्यमार्गीर्वा

माप्तमार्गीर्वा

अस्त्रमार्गीर्वा

द्वार्तमार्गीर्वा

३३ द्विष्टुक्तिकाल

द्वार्तमार्गीर्वा

लक्ष्मीघर्षमार्गीर्वा

द्वार्तमार्गीर्वा

३३ दिग्गंगलित्यर्थ १

उत्तरोद्धरेष्वान्मध्यमीष्टिर्विप्रवास  
स्वतन्त्राद्युपेष्टोद्योष्टिर्विप्रवास  
असाक्षमध्यात्मांतिर्विप्रवास उत्तरो  
द्याद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

पुरुषोदास-विप्रवास उत्तरोद्यात्मा

(५८) विप्रवास्युपरिवास्युपरिवास

स्वात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

रितोऽप्यद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उत्तरोद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

(५९) द्योभवाद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

विप्रवासेष्टिर्विप्रवास उत्तरोद्यात्मा

स्वात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

(६०) उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

(६१) उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

(६२) उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा

उपर्युक्ताद्यात्माद्यात्माद्यात्माद्यात्मा



६२ दिग्भावी उपराजन  
तद्योगेनाधिक्षेपसंभवात् पृथुज्ञानान्वयाम्  
क्षेपेन्द्रुहर्षमिद्यात्तेऽप्यादेश्वराम्  
उपेष्ठन्नरूपपुलः पृथुज्ञानान्वयाम्  
शृणुमन्तर्यामेवा अवशिष्यपराधेष्ठाम्  
उपराज्ञान्वयात्तद्यात्ताच्च देहेन्द्रुहर्षम्  
रुषमधिक्षेपसंभवात्यापविष्टव्याम्  
६A मन्त्रिनां पालित्यविष्टव्यामसंप्राप्य अवशिष्य  
द्विष्ठेन्द्रुहर्षम् उपेष्ठन्नरूपपुलेवाद्यम्  
क्षेपेष्ठन्नरूपम् उपेष्ठन्नरूपम् उपेष्ठन्नरूपम्  
उपेष्ठन्नरूपम् उपेष्ठन्नरूपम् उपेष्ठन्नरूपम्  
६B उपेष्ठन्नरूपम् उपेष्ठन्नरूपम् उपेष्ठन्नरूपम्  
६C पालित्यविष्टव्यामसंप्राप्य अवशिष्य  
द्विष्ठेन्द्रुहर्षम् उपेष्ठन्नरूपम्  
उपेष्ठन्नरूपम् उपेष्ठन्नरूपम्  
उपेष्ठन्नरूपम् उपेष्ठन्नरूपम्



३७ एवं अन्तिम संस्करण  
द्वारा अवश्यक नहीं किया जाता।

४०

४१

४२

४३

४४

४५

४६

४७

४८

४९

५०

५१

५२

५३

५४

५५

५६

५७

५८

५९

६०

६१

६२

६३

६४

६५

६६

६७

६८

६९

७०

७१

७२

७३

७४

७५

७६

७७

७८

७९

८०

८१

८२

८३

८४

८५

८६

८७

८८

८९

९०

९१

९२

९३

९४

९५

९६

९७

९८

९९

१००

3-  
- 80

10. ~~ग्रन्थालय~~







— दिल्ली का नाम है १५

16

~~प्राप्ति गुणकाय प्रवर्षना विद्यम् ।~~  
~~विवरणी भूपतिर्मोहनाद्य अनुभवः ॥~~  
~~राजु उपर्युक्त अस्ति अस्ति इति अस्ति ॥~~  
~~अस्ति कामिकरं राजा विवरणी विद्यम् ॥~~









## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : [rajwademandaldhule@gmail.com](mailto:rajwademandaldhule@gmail.com)